दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२६२ वा | मंगळवार २२ एप्रिल २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

जनसुरक्षा विधेयक के विरोध में आज राज्यभर में जनसुरक्षा विरोधी समिति का आंदोलन

मुंबई, जमीर काजी

शहरी नक्सलवाद के नाम पर भाजपा-युति सरकार द्वारा प्रस्तावित जनसुरक्षा विधेयक के विरोध में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), शेतकरी कामगार पक्ष (शेकाप), सीपीआई (एमएल) लिबरेशन, लाल निशाण पार्टी, फॉरवर्ड ब्लॉक आदि दलों ने मिलकर जनसुरक्षा विधेयक विरोधी समिति का गठन किया है।

इस समिति के तत्वावधान में २२ अप्रैल (मंगलवार) को मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में मोर्चा निकाला जाएगा। यह जानकारी मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष सांसद वर्षा गायकवाड और ठाकरे गुट के विधायक सचिन अहिर ने पत्रकारों से बातचीत में दी।

गायकवाड ने कहा कि, यह विधेयक जनता की आवाज को दबाने का काम करेगा। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है। नक्सलवाद से निपटने के लिए पहले से ही कानून मौजूद हैं, ऐसे में इस जनसुरक्षा विधेयक की महाराष्ट्र या देश को कोई आवश्यकता नहीं है। यह एक दमनकारी कानून है जिसे रद्द किया जाना चाहिए्। उन्होंने बताया कि इस विधेयक के तहत किसी भी संगठन या गतिविधि को गैरकानूनी घोषित करने का अधिकार सरकार को होगा, जिससे सरकार किसी को भी गैरकानूनी बताकर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकेगी। एक बार किसी व्यक्ति या संस्था को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया तो उन्हें वर्षो तक जेल में रखा जा सकता है और उन पर लाखों रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। यह नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है, जिसका कांग्रेस और समान विचारधारा वाले दल विरोध कर रहे हैं।

२२ अप्रैल को मुंबई में दोपहर ३ बजे मुंबई उपनगर जिलाधिकारी कार्यालय, बांद्रा पूर्व में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस आंदोलन में अधिवक्ता राजेंद्र कोर्डे (किसान मजदूर पार्टी), कॉ. प्रकाश रेड्डी (भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी), कांग्रेस प्रवक्ता सुरेशचंद्र राजहंस, कॉ. शैलेंद्र कांबले (मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी), राहुल गायकवाड, किशोर कार्दक (फॉरवर्ड ब्लॉक) सहित अनेक नेता उपस्थित रहेंगे।

आरोग्य सेवा देश सेवा का माध्यम है, इसे उद्योग न बनने दें-डॉ. ओमप्रकाश शेटे

माजलगांव, २१ अप्रैल (प्रतिनिधि):

स्वास्थ्य का क्षेत्र देश सेवा का एक माध्यम है, इसे कभी उद्योग बनने न दें, ऐसा महत्वपूर्ण वक्तव्य आयुष्मान भारत महाराष्ट्र समिति के अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश शेटे ने किया। वे गुरुकृपा शिक्षण समूह द्वारा आयोजित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती महोत्सव के अंतर्गत आयोजित सन्मान भूमिपुत्रांचा' कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहाँ उनका विशेष सम्मान किया गया।

इस अवसर पर डॉ. शिवरत्न शेटे और शिल्पा शेटे का भी सत्कार किया गया। कार्यक्रम में प्रकाश राजेभोसले, नंदिनी राजेभोसले, डॉ. प्रकाश आनंदगावकर, संपादक संजय मालाणी, शिवाजी रांजवण, जयदत्त नरवडे, संतोष यादव, अरुण इंगळे, अशोक तिडके, भास्कर शिंदे, प्रफुल्ल पाटील, उमेश मोगरेकर और डॉ. यशवंत राजेभोसले सहित अनेक मान्यवर उपस्थित थे।

डॉ. ओमप्रकाश शेटे ने आगे कहा कि उन्होंने जीवन में पैसे से ज्यादा नैतिकता को प्राथमिकता दी और इसी कारण समाज के लिए कुछ करने का अवसर मिला। सामान्य मरीजों के लिए जो संवेदना थी, उसी से प्रेरणा लेकर उन्होंने कार्य किया। उन्होंने कहा कि पारिवारिक संस्कारों और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा जताए गए विश्वास के कारण वे इस कार्य को कर सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि मैं जल्द ही इससे भी बड़ी ज़िम्मेदारी लेकर फिर लौटूंगा।

इस अवसर पर डॉ. शिवरत्न शेटे ने छत्रपती शिवाजी महाराज और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों में समानता पर प्रकाश डाला। साथ ही डॉ. प्रकाश आनंदगावकर, संजय मालाणी, डॉ. प्रफुल्ल पाटील और उमेश मोगरेकर ने भी समयानुकूल वक्तव्य दिए्।

कार्यक्रम की प्रस्तावना डॉ. यशवंत राजेभोसले ने रखी और बताया कि नई ज़िम्मेदारी मिलने के बाद डॉ. ओमप्रकाश शेटे का यह मराठवाड़ा में पहला सत्कार माजलगांव में हो रहा है, यह हमारे लिए गौरव की बात है। कार्यक्रम का संचालन अशोक वांडेकर ने किया और आभार मनोज फरके ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम की सफलता के लिए पांडुरंग उगले, कपिल डोंगरे, डॉ. रंगनाथ गोळकर, डॉ. युवराज कोल्हे, विकास लांडगे और अमित बिंदू ने विशेष परिश्रम किए्।

माजलगांव में ढाबा मालिक की हत्या, बीड जिला फिर दहला!

माजलगांव, २१ अप्रैल-

माजलगांव-पाथरी मार्ग पर स्थित राष्ट्रीय महामार्ग-६१ के पास, माजलगांव शहर से लगभग ४ किलोमीटर की दूरी पर स्थित नागडगांव पाटी कॉर्नर पर एक गांव का ढाबा है, जिसके मालिक महादेव गायकवाड (उम्र ५४ वर्ष, निवासी मंजरथ रोड, माजलगांव) पर २० अप्रैल की शाम करीब ७:३० बजे जानलेवा हमला किया गया।

जानकारी के अनुसार, माजलगांव तालुका के आनंदगांव से आए कुछ ग्राहकों ने बिल के विवाद को लेकर ढाबे पर बैठे महादेव गायकवाड के सिर पर वार कर दिया। हमले में ढाबा मालिक का २२ वर्षीय बेटा आशुतोष गायकवाड भी गंभीर रूप से घायल हुआ है।

गंभीर रूप से घायल महादेव गायकवाड को तुरंत माजलगांव के बायपास रोड स्थित संजीवनी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान संजीवनी हॉस्पिटल के प्रमुख डॉ. ज्ञानेश्वर गिलबिले ने उन्हें छत्रपती संभाजीनगर (औरंगाबाद) स्थानांतरित करने की सलाह दी। लेकिन संभाजीनगर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

घायल बेटे आशुतोष का सीटी स्कैन किया गया है और उसकी हालत भी चिंताजनक बताई जा रही है।

इस मामले में मुख्य आरोपी रोहित शिवाजीराव थावरे (निवासी आनंदगांव) सहित अन्य पांच आरोपियों के खिलाफ पहले धारा ३०७ (जानलेवा हमला) के तहत मामला दर्ज किया गया था। लेकिन महादेव गायकवाड की मौत के बाद अब धारा ३०२ (हत्या) के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा। यह जानकारी माजलगांव ग्रामीण पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक बालक कोळी ने दी है।

घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है और पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

गर्मी से तपे शहर : विदर्भ में तीव्र लू का प्रकोप, ४ जिलों में बेमौसम बारिश का अलर्ट

बीड । प्रतिनिधि

पूरे महाराष्ट्र में तापमान लगातार बढ़ रहा है। विशेष रूप से मराठवाड़ा और विदर्भ के जिलों में तेज गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई जगहों पर तापमान ४४ डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर पहुंच चुका है।

मौसम विभाग के अनुसार, बीड जिले के गेवराई तहसील में सबसे अधिक तापमान ४४.६ डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। औरंगाबाद में ४२ डिग्री और नांदेड में ४१ डिग्री तापमान दर्ज हुआ है। वहीं, सेलू (परभणी) में भी तापमान ४१ डिग्री के पार पहुंच गया है। राज्य में गर्मी का कहर इस प्रकार है: राज्य के ३८ से ४० जिलों में अधिकतम तापमान ४० डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। गर्म हवाओं के कारण लू की स्थिति उत्पन्न हो गई है और लोगों को सावधान रहने की चेतावनी दी गई है। कोरोना के बाद स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ने से गर्मी में अस्पतालों की भीड़ भी बढ़ रही है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने यह भी जानकारी दी है कि कुछ जिलों में बेमौसम बारिश की संभावना बनी हुई है, खासकर मराठवाड़ा के कुछ भागों में्।

शुद्ध रेत के उत्खनन पर ठेकेदारों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए: विरोधी पक्षनेता अंबादास दानवे की मांग

मुंबई, विशेष प्रतिनिधि:

विपक्ष नेता अंबादास दानवे ने आरोप लगाया है कि गाद मिश्रित रेत के नाम पर ठेकेदारों द्वारा शुद्ध रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर संबंधित ठेकेदारों पर आपराधिक मामला दर्ज करने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई तो संबंधित मंत्री और अधिकारियों पर विशेषाधिकार भंग का प्रस्ताव लाया जाएगा।

छत्रपती संभाजीनगर के पैठण हिरपुडी क्षेत्र में गोदावरी नदी के पात्र से हो रहे इस अवैध रेत उत्खनन का मुद्दा दानवे ने १७ मार्च को बजट सत्र के दौरान सदन में तारांकित प्रश्न के माध्यम से उठाया था। उस समय तत्कालीन निविदा पर २४ घंटे की रोक लगाई गई थी, जिसे जल्द ही हटा भी दिया गया।

दानवे ने स्पष्ट किया कि असली मुद्दा निविदा नहीं, बल्कि गाद मिश्रित रेत के नाम पर शुद्ध रेत का अवैध उत्खनन है। उन्होंने आरोप लगाया कि उपविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, तलाठी और राजस्व निरीक्षक इस अवैध कार्य को नजरअंदाज कर रहे हैं और शिकायत को निविदा से संबंधित बताकर ठेकेदारों से आर्थिक संबंध बनाए रखने के लिए मंत्री और सरकार को गुमराह कर रहे हैं।

दानवे ने अपने पत्र में यह भी मांग की है कि ठेकेदार पर तुरंत आपराधिक मामला दर्ज किया जाए और सदन को गुमराह करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि जनता के संसाधनों की लूट को रोका जा सके और पारदर्शिता कायम रह सके।

तस्वीर नामा

ताज का राज़

मिलन की कीमत कल नहीं, आज हे
भविष्य के दामन में गहरा राज़ है।
दिल्ली तोड़ेगी दिलों को बार बार,
बची रहे मुंबई, ये हि असल ताज़ है।

काज़ी मखदूम
संपादक तामीर

किरिट सोमैया कि किर किरी गेवराईकर परेशान

१७ लोगों पर जन्म प्रमाणपत्र घोटाले का मामला दर्ज, इनमें ४ मुस्लिम और १३ हिंदू भाई शामिल

बाहर के नेता आ कर कर रहे बीड को बदनाम । और हमारे नेताओं के मुंह पर लगी लगाम।

गेवराईः काजी अमान

गेवराई में १७ लोगों पर फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र मामले में मामला दर्ज, किरिट सोमय्या की शिकायत के बाद कार्रवाई

गेवराई, प्रतिनिधि - भाजपा के पूर्व सांसद किरिट सोमय्या द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद तहसील प्रशासन हरकत में आया और जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्रों की जांच के बाद १७ लोगों के खिलाफ गेवराई पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला राजस्व सहायक क्रांति गिरी की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया।

मामले की विस्तृत जानकारी के अनुसार, किरिट सोमय्या ने गेवराई तहसील कार्यालय में बैठक लेकर संदेह जताया था कि तालुका क्षेत्र में कुछ लोग बांग्लादेशी नागरिक हो सकते हैं और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्रमाणपत्र हासिल कर रहे हैं। इस पर तहसील प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्रों की पुनः जांच कराई। जांच में यह सामने आया कि संबंधित १७ व्यक्तियों ने गलत पते, दूसरे जिलों के दस्तावेजों और आवेदन पत्र में गड़बड़ियों के आधार पर फर्जी प्रमाणपत्र प्राप्त किए हैं।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार के आदेशानुसार राजस्व सहायक क्रांति गिरी ने इन व्यक्तियों के खिलाफ रविवार, दिनांक २० अप्रैल को गेवराई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, उनके नाम इस प्रकार हैं:

काशिनाथ देवराव हातागळे, सुनील मानिक राठौड़, संजय भिमराव राठौड़, शेख शहाना तबस्सुम शेख इब्राहीम, करण भिमराव कोरडे, संजय लहु राठौड़, अर्चना रामभाऊ पवार, मनीषा सुभाष सुरवे, शेख जुनैद सादिक, शेख सोहेल शेख सादिक, मेघा रत्नाकर शेलके, मिनाज सैय्यद जाफर, संतोष ज्ञानोबा करे, मोहिनी रावसाहेब चव्हाण, मच्छिंद्र ताराचंद जाधव, सुवर्णा राजू जाधव, और संगीता शेषेराव जाधव।

फिलहाल गेवराई पुलिस द्वारा इस मामले की आगे की जांच की जा रही है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

शिवसंग्राम की पुणे बैठक में राज्यस्तरीय सदस्यता अभियान की शुरुआत

कर्जमाफी से ज्यादा ज़रूरत किसानों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की-ज्योती मेटे

सेवानिवृत्ति की आयु ६० वर्ष करने की भी मांग

पुणे, प्रतिनिधि:

शिवसंग्राम पार्टी की अध्यक्ष ज्योती विनायक मेटे ने कहा है कि किसानों की सिर्फ कर्जमाफी की नहीं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की आवश्यकता है। वे पुणे के हिंदूहृदयसम्राट बाळासाहेब ठाकरे कलादालन में आयोजित राज्यस्तरीय बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य, कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग, कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों का समन्वय, सहकारिता और राजस्व विभाग की संयुक्त कार्यशैली से खरीफ और रबी सीजन में १००% फसल ऋण उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभाकर कोलंगडे, प्रदेश सचिव योगेश विचारे, पुणे शहर अध्यक्ष भरत लगड, वरिष्ठ पदाधिकारी शेखर पवार, वसंत पाटील, पी. के. चव्हाण और सभी जिलाध्यक्ष एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ज्योती मेटे ने कहा कि वे सरकार को छत्रपती संभाजी महाराज और पानीपत युद्ध के मराठा शौर्य के स्मारकों के लिए बजट में प्रावधान करने पर धन्यवाद देती हैं। उन्होंने अरबी समुद्र में छत्रपती शिवाजी महाराज स्मारक के काम में हो रही देरी पर चिंता जताई और कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों को कोर्ट में प्रभावी पक्ष रखते हुए काम शुरू करवाना चाहिए। उन्होंने कर्नाटक के दावणगिरी में शहाजी महाराज का स्मृति स्थल बनाने की भी मांग की।

उन्होंने महिलाओं के स्टार्टअप्स के लिए ज़िला स्तर पर इनक्यूबेशन सेंटर और उद्योग केंद्रों में विशेष कक्ष स्थापित करने की मांग की, ताकि केंद्रीय बजट में महिलाओं के लिए किए गए प्रावधानों का लाभ मिल सके।

सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु महाराष्ट्र में ५८ वर्ष है, जबकि केंद्र सरकार और २५ राज्यों में यह ६० वर्ष है। इसलिए महाराष्ट्र में भी इसे बढ़ाकर ६० वर्ष किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे अधिकारियों और कर्मचारियों में व्याप्त असंतोष को दूर किया जा सकेगा। ड-ठढक्ख योजना के अंतर्गत विदेश शिक्षा के लिए दी जाने वाली छात्रवृत्ति में आयसीमा हटाने और विभागीय कार्यालयों को कार्यक्षम बनाने की भी मांग की गई।

बीड में हो रही आपराधिक घटनाओं पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि सरपंच संतोष देशमुख की हत्या निंदनीय है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। महिला वकील पर हमला भी चिंताजनक है। उन्होंने पुलिस से मांग की कि अपराधी किसी राजनीतिक दल से जुड़ा हो या पदाधिकारी हो, कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए।

स्थानीय निकाय चुनावों में शिवसंग्राम की भूमिका उचित समय पर घोषित की जाएगी, अभी प्राथमिकता किसानों और महिलाओं की समस्याओं को हल करना है। उन्होंने बताया कि राज्यभर में सदस्यता अभियान शुरू हो चुका है और हर जिले में बड़ी संख्या में लोग शिवसंग्राम से जुड़ रहे हैं।

इस अवसर पर भगवान बाजीराव लंबे को जिलाध्यक्ष बुलढाणा, धनंजय बाजड को जिलाध्यक्ष रिसोड मालेगांव विधानसभा नियुक्त किया गया। साथ ही दादासाहेब चंद्रभान वाघ (सरपंच, नेवासा) और रमेश शेठ लूनिया (अहिल्यानगर) को शिवसंग्राम में औपचारिक रूप से शामिल किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार क़ाज़ी हयातुल्ला ने अपनी लेखनी से जनता को दिलाया न्याय : पूर्व विधायक एम.एम. शेख

काज़ी परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की

गेवराई, २० अप्रैल (प्रतिनिधि):

वरिष्ठ पत्रकार क़ाज़ी हयातुल्ला के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता व पूर्व विधायक एम.एम. शेख ने कहा कि काज़ी साहब का राजनीति और प्रशासन में गहरा प्रभाव था। समाज में उनके प्रति एक आदरयुक्त भय था और सभी समुदायों से उनके आत्मीय संबंध थे। उन्होंने अपनी निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता से हमेशा आमजन के हक़ में आवाज़ उठाई और अन्याय व अत्याचार के खिलाफ कलम चलाई।

पूर्व विधायक एम.एम. शेख रविवार, २० अप्रैल २०२५ को सायंकाल गेवराई स्थित काज़ी साहब के निवास पर पहुंचे और काज़ी परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर पत्रकार काज़ी अमान, सामाजिक कार्यकर्ता काज़ी शौकत, काज़ी शकील, युसुफ पटेल सहित काज़ी परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। शेख ने भावुक होकर कहा कि काज़ी हयातुल्ला साहब मुझे गुरु तुल्य थे। वर्ष १९८४-८५ में जब मैं युवावस्था में था और गेवराई में रह रहा था, तब मैंने उनकी पत्रकारिता को नज़दीक से देखा। उनकी लिखी ख़बरों को गंभीरता से लिया जाता था और उनके आधार पर प्रशासनिक कार्रवाई होती थी। वे अधिकारी और नेताओं को कलम के ज़रिये जवाबदेह बनाते थे। उन्होंने आगे कहा, काज़ी साहब से आशीर्वाद लिए बिना मेरा कोई भी दौरा पूरा नहीं होता था। वे समाज के लिए तीसरी आँख और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में ईमानदारी से अपनी भूमिका निभा रहे थे। उनके निर्भीक लेखन और निष्पक्ष पत्रकारिता ने हमेशा जनहित को प्राथमिकता दी। एम.एम. शेख ने इस मौके पर महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ और बीड जिला पत्रकार संघ द्वारा काज़ी हयातुल्ला साहब के नाम पर हर वर्ष पत्रकारिता पुरस्कार शुरू करने के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष वसंत मुंडे और संस्थापक अध्यक्ष संतोष मानूरकर को इस पहल के लिए विशेष धन्यवाद भी दिया।

पद्मपाणि राज्य और राष्ट्रीय पुरस्कार घोषित; हजारे, सावंत, मुळे, नागरगोजे, उपाध्ये को आदर्श पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा

सम्मान समारोह ४ मई को बीड में भव्य रूप से संपन्न होगा

बीड, २१ अप्रैल (प्रतिनिधि):

पद्मपाणि प्रतिष्ठान द्वारा बीड शहर में पिछले १७ वर्षों से संविधान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाशाली और उल्लेखनीय व्यक्तियों को पद्मपाणि राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

इस वर्ष भी बीड जिला सहित राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान बनाने वाले कर्तव्यनिष्ठ और प्रतिभाशाली व्यक्तियों का चयन प्रतिष्ठान द्वारा किया गया है। पुरस्कार

वितरण समारोह ४ मई को बीड के यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह में विशिष्ट अतिथियों के हाथों आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी पद्मपाणि प्रतिष्ठान के अध्यक्ष दिलीप तरकसे ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

इस वर्ष के पुरस्कारों में पत्रकारिता के माध्यम से सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पत्रकारों को आदर्श पत्रकारिता पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। इनमें शामिल हैं:

उत्तम हजारे – निवासी उपसंपादक, दैनिक लोकशा

गणेश सावंत – कार्यकारी संपादक, दैनिक रिपोर्टर बीड

उदय नागरगोजे – बीड जिला प्रतिनिधि, दैनिक पुढारी न्यूज

सौ. अक्षरा मुळे – संपादिका, दैनिक लोकनायक

अमोल मुळे – ब्यूरो चीफ, दैनिक दिव्य मराठी

नितेश उपाध्ये – संपादक, साप्ताहिक आदर्श पोलखोल

प्रतिष्ठान के अध्यक्ष दिलीप तरकसे ने बताया कि इन पत्रकारों की निष्पक्ष और समाजप्रमुख लेखनी को देखते हुए उन्हें इस पुरस्कार के लिए चुना गया है।

दिनी तालीम के साथ आधुनिक तालीम भी ज़रूरी-डॉ.नीलोफर पठान

उस्मानाबाद (प्रतिनिधि: मोहम्मद मुस्लिम कबीर)

आज के समाज में फैल रही बेवजह की रस्में, पर्दा न करने की आदत, बेहयाई और खास तौर पर सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल को रोकना है तो हमारे घरों में खासकर महिलाओं के बीच दीनदार माहौल के साथ-साथ अख़लाकी तरबियत का भी इंतज़ाम ज़रूरी है। बल्कि दीन और अख़लाक की तालीम के साथ आधुनिक शिक्षा हासिल करने की भी सख़्त ज़रूरत है। क्योंकि अगर डॉक्टर, इंजीनियर, वकील या फिर कारोबारी दीनदार होंगे तो वे समाज में सुधार लाएंगे और इस्लामी मक़सद के साथ समाज की तामीर में हिस्सा लेंगे।

यह बातें उस्मानाबाद ज़िले के परंडा शहर की मेडिकल अफ़सर डॉ. नीलोफर पठान ने कहीं। जमीयत उलमा-ए-हिंद शाखा परंडा की ओर से

माह-ए-रमज़ान में छात्राओं के लिए इस्लामी क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में शानदार सफलता हासिल करने वाली छात्राओं में कर्पुड़े अक़्सा महबूब पाशा (प्रथम), कर्पुड़े सना तक़ी (प्रथम), कर्पुड़े रहीमुनिस्सा जलीलानी (द्वितीय), पठान अंजुम वाजिद और निख़त इस्माईल कर्पुड़े (तृतीय) को इनाम और प्रमाणपत्र दिए गए। ये पुरस्कार डॉ. नीलोफर पठान के हाथों प्रदान किए गए।

अन्य छात्राओं को भी हौसला अफज़ाई के लिए प्रमाणपत्र दिए गए।

इस अवसर पर परंडा शहर जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष हाफ़िज़ सकलैन सौदागर, हफ़ीज़ुद्दीन कर्पुड़े, मुर्तज़ा ख़ान पठान, पूर्व पार्षद इरफान शेख उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम की सफलता के लिए मदरसा जामिअतुल मुहसिनात की प्रमुख शिक्षिका नरगिस बाजी और फरहाना बाजी ने विशेष मेहनत की।

'जल जीवन मिशन' पर खर्च हुए हजारों करोड़, फिर भी महाराष्ट्र प्यासा ही रहा-हर्षवर्धन सपकाल

मुंबई, २१ अप्रैल (अज़ीज़ एजाज):

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के कारण इस योजना पर हजारों करोड़ रुपए खर्च होने के बावजूद महाराष्ट्र आज भी प्यासा है। तिलक भवन, मुंबई में आयोजित एक पत्रकार परिषद में सपकाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हर घर में नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का वादा किया था, लेकिन २०२५ तक भी यह सपना साकार नहीं हो सका। आज भी महिलाओं को पानी के लिए मीलों चलना पड़ता है और कई स्थानों पर महिलाओं की जानें भी जा चुकी हैं। यवतमाल ज़िले में एक बच्ची की पानी लाते समय मौत हो गई, जबकि नासिक में महिलाएं कुएं में उतरकर पानी लाने को मजबूर हैं। इससे जल जीवन मिशन की जमीनी हकीकत और उसमें फैले भ्रष्टाचार का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सपकाल ने दावा किया कि इस योजना का लाभ केवल अधिकारियों और ठेकेदारों को हुआ है, जबकि आम जनता अब भी पानी के लिए तरस रही है। उन्होंने बताया कि एक नल की लागत जहां पहले ३०,००० थी, वह अब बढ़कर १,३७,००० तक पहुंच गई है। इसी पर केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने भी राज्य से स्पष्टीकरण मांगा है।

सपकाल ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने अब इस योजना के बजट में ४७% की कटौती कर दी है, जिससे आने वाले वर्षों में भी पानी की समस्या बनी रहेगी।

इसके अलावा, उन्होंने बीजेपी प्रवक्ता माधव भंडारी द्वारा २६/११ मुंबई हमलों पर दिए गए बयान पर नाराज़गी जताते हुए उनकी गिरफ्तारी और तहेवर राणा के साथ पूछताछ की मांग की। सपकाल ने आरोप लगाया कि भंडारी के बयान के अनुसार उस समय की सरकार में शामिल कई लोग आज बीजेपी में हैं, जिनमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी शामिल हैं। इसलिए, उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर जांच की जानी चाहिए।

सपकाल ने प्राथमिक कक्षा से हिंदी को अनिवार्य करने के निर्णय की भी कड़ी आलोचना करते हुए इसे मराठी भाषा और संस्कृति को मिटाने की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि आरएसएस नेता एम.एस. गोलवलकर की किताब बंच ऑफ थॉट्स में जो विचार दिए गए थे, आज बीजेपी सरकार उसी पर अमल कर रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, अगर बीजेपी को हिंदी थोपनी ही है तो इसकी शुरुआत गुजरात से की जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि पहली कक्षा से तीन भाषाएं लागू करना एक गैर-वैज्ञानिक कदम है और मासूम बच्चों पर इसका भारी बोझ पड़ेगा। भाषा सलाहकार समिति ने भी इस फैसले का विरोध किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए सपकाल ने इस निर्णय को तुरंत वापस लेने की मांग की।

पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संग्राम थोपटे को विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामित किया था, लेकिन फडणवीस सरकार ने चुनाव ही नहीं होने दिए। इससे थोपटे की उम्मीदों को गहरा झटका लगा। अब वे उन्हीं लोगों के साथ जा रहे हैं जिन्होंने उनके साथ धोखा किया, जो एक दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com